(gr. 102.) Effundere, *praesertim* mingere. R. Schl. II. 75. 21.: सूर्यम् प्रति मेहतु; Man. 4. 52.: प्रत्य् अग्निम् प्रति सूर्यञ्च ... मेहतः· (Cf. मिन्व्, lat. *mingo, mejo*; gr. ὀ-μιχέω, μοιχός, μοιχάω; lith. *myžu* mingo, *mēszlas* fimus, *mēžu* stercus egero, *mig-la* nebula, v. मेघ; anglo-sax. *MIG* mingere, *mîge, mâh, migon*; island. vet. *MIG* id.; goth. *maihs-tus* fimus, adjectâ sibilante; nostrum *Mist.*)

1. मी 9. P. A. मीनामि, मीने, *in dial. Vêd.* मिनामि, मिने (हिंसायाम् K. वधे V.) Ferire, occidere, delere. Rigv. 71. 10.: नृपश् अरिमा मिनाति; 92. 12.: अमिनती दैव्यानि व्रतानि; 117. 3.: मिनन्ता (= मिनन्तौ) दस्योर् अशिवस्य मायाः· — *Part. pass.* मीन·

c. आ *i. q. simpl.* Rigv. 79. 2.: आ ते सुपर्णा अमिनन्त एवैः «tuae bene alatae *luces* feriunt *nubem* cum properantibus *ventis*». Atm. sibi mutuo *aliquid* delere. Rigv. 113. 2.: द्यावा वर्णञ् चरत आमिमाने «coelum percurrunt (nox et aurora) *suum mutuo* colorem delentes».

c. प्र *i. q. simpl.* Rigv. 32. 4.: मायिनाम् अमिनाः प्रो 'त मायाः «praestigiatorum fregisti praestigias»; 25. 1. 92. 11.

2. मी 4. A. perire. Rigv. V. (v. Westerg.): दुर्मित्रासो मिमाना अङ्गर् भोजना· — *Caus.* मापयामि, v. gr. 521. (Cf. म्रिये morior, unde fortasse मीये ejecto र् producto इ.)

c. प्र perire, mori. Man. 9. 247.: बालाश्च न प्रमीयन्ते; R. Schl. II. 75. 28.: अनपत्यः प्रमीयताम्· प्रमीत mortuus. Man. 3. 245. — *Caus.* occidere, delere. Man. 1. 57.: इदं सर्वञ् चराचरं सञ्जीवयतिचा 'जस्रम् प्रमापयतिचा 'व्ययः; 8. 295.: स चेत् ... प्रमापयेत् प्राणभृतः; 11. 89. 129. Mah. 3. 13322.

3. मी 1. P. (गतौ) ire. (V. sq. et cf. मा sgf. 2.)

4. मी 10. P. (गतौ मत्याम्) ire; intelligere. (V. 3. मी et cf. lat. *meare.*)

मीढ v. मिह्·

मीन m. piscis.

मीम् 1. P. (ut videtur, forma redupl. a r. 3. मी) ire; sonare.

मीमांस् v. मान्·

मील् 1. P. (निमेषणे K. निमेषे V.) nictari, connivere. Gita-Gov. 10. 16.: यत्र स्विद्यति, मीलति (Schol. श्रीकृष्णो त्वणं स्विद्यति मीलति सति)· Se claudere, *de oculis*. Bhatt. 14. 54.: तस्या मिमीलतुर् नेत्रे· — *Caus.* claudere, *de oculis*. Megh. 109.: लोचने मीलयित्वा·

c. उत् aperire *oculos*, aufschlagen. Bhatt. 15. 102.: उदमीलीलल् लोचने; Mah. 3. 11155.: ईषद् उन्मील्य(*) लोचने· Se aperire, *de oculis*. Bhatt. 16. 8.: उन्मीलिष्यति चक्षुर् मे वृथा· — *Caus.* aperire *oculos*. Ur. 5. 14.: एतद् उन्मीलय चक्षुर् आयतम्··

c. नि 1) claudere *oculos*, niederschlagen. Ur. 5. 9.: भयनिमीलिताक्षी· *Etiam omissâ oculos exprimente voce.* Ragh. 8. 37.: निमिमील नरोत्तमप्रिया हृतचन्द्रा तमसे 'व कौमुदी· निमीलित = निमीलिताक्ष clausos oculos habens. Ragh. 1. 68.: प्रज्ञालोपनिमीलितः (*). 2) dormire. Man. 1. 52.: यदा स्वपिति धर्मात्मा तदा सर्वन् निमीलति; Hit. 107. 13.: नरेश्वरे जगत् सर्वन् निमीलति निमीलति· — *Caus.* claudere *oculos, expressâ vel omissâ oculos significante voce.* Mah. 3. 400.: सत्रासान् न्यमीलयत लोचने; 1. 4278.: देवी न्यमीलयत्·

c. प्र *i. q. simpl.* Gita-Gov. 4. 19.: प्रमीलति पतति·

c. सम् se claudere. Sak. 45. 4.: सम्मीलन्ति न तावद् बन्धनकोषास् तया 'वचितपुष्पाः·

मीव् 1. P. *i. q.* पीव्, *unde ortum esse videtur mutato* प् *in nasalem ejusdem organi.*

मुकुट n. crista, diadema, tiara. A. 10. 38.

मुकुर m. speculum.

मुकुल m. n. gemma arboris. Ragh. 9. 27. 15. 99.

मुकुलित (a praec. s. इत) semiclausus, *gemmae arboris instar*. Ur. 49. 2.

(*) उन्मील्य et निमीलित etiam ad *Caus.* referri possunt.